उत्तर प्रदेश के आगरा मण्डल में विभिन्न अभिकरणों द्वारा संचालित माध्यमिक विद्यालय शिक्षकों के मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन

डा. चन्द्रमोहन सारस्वत*

सारांश

प्रस्तुत शोध अध्ययन उत्तर प्रदेश के आगरा मण्डल में विभिन्न अभिकरणों यथा राजकीय, निजी तथा अनुदानित माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के मूल्यों का सामाजिक परिवेश– ग्रामीण, शहरी, लिंग,– महिला, पुरूष, अनुभव–कम–ज्यादा तथा विभिन्न अभिकरण जैसे राजकीय,निजी तथा अनुदानित माध्यमिक विद्यालयके संदर्भ में तुलनात्मक अध्ययन किया गया है। उक्त अध्ययन हेतु यादृच्छिक विधि द्वारा चयनित विभिन्न अभिकरणों द्वारा संचालित माध्यमिक विद्यालयमें कार्यरत 900 महिला व पुरूष शिक्षकों पर किया गया है। प्रस्तुत शोध में मध्यमान,प्रमाणिक विचलन एंव टी परीक्षण जैसे सांख्यिकीय विधियों का प्रयोग किया गया है। मूल्यों के संदर्भ में प्राप्त निष्कर्षों से पता चलता है कि विभिन्न अभिकरण,शैक्षिक अनुभव, लैंगिक भिन्नता तथा भौतिक सामाजिक परिवेश माध्यमिक विद्यालयी शिक्षकों के मूल्यों के स्तर को प्रभावित करते हैं।

प्रस्तावना

वर्तमान समय में बदलती हुई परिस्थितियों के अनुरूप समाज में नैतिक मूल्यों में तेजी से गिरावट देखी जा रही है जिसका प्रभाव समाज के अभिन्न अंग विद्यालय पर भी पडता है क्योंकि विधालय समाज का लघु रूप होते हैं। अतः माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण है, वह समाज, छात्र तथा अभिभावकों के प्रति समान रूप से उत्तरदायी है क्योंकि शिक्षा ही व्यक्ति को भौतिक,सांस्कृतिक तथा आध्यात्मिक प्रगति की ओर ले जाती है,शिक्षा ही मनुष्य में स्वंय के कौशलों तथा मूल्यों को विकसित करने तथा मानव को समाज के कल्याण के लिऐ तथा सम्पूर्ण मानव जाति के उत्थान के लिऐ समर्पण हेतु तैयार करती है।

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या निर्माण ;एन.सी.एफ.टी.ई 2005 में शिक्षकों की एक मननशील पेशेवर के रूप में संकल्पना की गयी है। बदलती अवधारणाओं व परिदृष्य को दृष्टिगत रखते हुऐ राष्ट्रीय पाठ्यचर्या निर्माण ;एन.सी. एम 2009 में शिक्षको के दायित्व व भूमिका को प्रासंगिक बदलाबों के संदर्भ में रखते हुऐ देखा गया है।

माध्यमिक स्तर पर शिक्षा में ऐसे तत्वों का समावेश किया जाता है जिससे छात्र एक सभ्य सामाजिक नागारिक की तरह जीवन व्यतीत कर सकें। इन माध्यमिक शिक्षा केन्द्रों में एक निश्चित योगयता धारक व्यक्तियों को शिक्षक के रूप में नियुक्त किया जाता है। इन शिक्षकों के हाथ में बालक का भविष्य होता है, जो राष्ट्र का भविष्य भी होता है, किसी भी राष्ट्र के बालकों में जो गुण एंव मूल्य शिक्षा के माध्यम से दिये जाते है, वे गुण ही कालांतर में राष्ट्र का प्रकाश स्तम्भ बन जाते हैं। अतः यह अत्यन्त आवश्यक हो जाता है कि शिक्षकों में मूल्यों के स्तर को प्रभावित करने वाले कारकों का अध्ययन किया जाये क्योंकि मूल्यविहीन व्यक्ति आत्मा–रहित व्यक्ति की तरह है। मूल्यविहीन शिक्षा किसी व्यक्ति या राष्ट्र का विकास करने में सर्वथा अक्षम होती है। अतः एक शिक्षक के मूल्य राष्ट्र के मूल्यों के संवर्धक तथा संरक्षक होते हैं

समस्या अभिकथन– उत्तर प्रदेश के आगरा मण्डल में विभिन्न अभिकरणेां द्वारा संचालित माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन''

अध्ययन के उद्देश्य

1. विभिन्न अभिकरणों जैसे निजी, राजकीय एंव अनुदानित माध्यमिक विद्यालयी शिक्षकों के मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन करना।
2. विभिन्न अभिकरणों द्वारा संचालित माध्यमिक विद्यालयी शिक्षकों की लैंगिक भिन्नता के संदर्भ में मूल्यों का अध्ययन करना।
3. विभिन्न अभिकरणों द्वारा संचालित माध्यमिक विद्यालयी शिक्षकों के शैक्षिक अनुभव के संदर्भ में मूल्यों का अध्ययन करना।

*प्राचार्य, रघुकुल कोलेज ऑफ एजूकेशन, जयपुर (राजस्थान)

4. विभिन्न अभिकरणों द्वारा संचालित माध्यमिक विद्यालयी शिक्षकों को सामाजिक परिवेश ; ग्रामीण एंव शहरी के संदर्भ में मूल्यों का अध्ययन करना।

परिकल्पनाऐं

1. राजकीय एंव निजी माध्यमिक विधालयर शिक्षकों के मूल्यों में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
2. विभिन्न अभिकरणों द्वारा संचालित ग्रामीण एंव शहरी माध्यमिक विद्यालयी शिक्षकों के मूल्यों में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
3. विभिन्न अभिकरणों द्वारा संचालित माध्यमिक विद्यालयी शिक्षकों में लैंगिग भिन्नता के आधार पर कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
4. विभिन्न अभिकरण राजकीय एंव अनुदानित माध्यमिक विद्यालयी शिक्षकों के मूल्यों में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
5. विभिन्न अभिकरण निजी एंव अनुदानित माध्यमिक विध्यालयी शिक्षको में मूल्यों में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

शोध के चर

स्वतंत्र चर –

1. विभिन्न अभिकरण ;राजकीय,अनुदानित एंव निजी।
2. लैंगिक भिन्नता;महिला एंव पुरूष।
3. सामाजिक परिवेश;ग्रामीण एंव शहरी।
4. शैक्षणिक अनुभव कम और अधिक।

आश्रित चर –

1. मूल्य

अध्ययन की परिसीमाऐं–

1. प्रस्तुत शोध में केवल माध्यमिक स्तर के शिक्षकों पर ही अध्ययन किया गया है।
2. प्रस्तुत शोध अध्ययन उत्तरप्रदेश के आगरा मण्डल तक ही सीमित है।
3. प्रस्तुत शोध अध्ययन माध्यमिक स्तर के 900 शिक्षकों तक ही सीमित है।
4. प्रस्तुत शोध अध्ययन में केवल शोधकर्ता के द्वारा लिऐ गये स्वंय के अध्ययन के चरों पर ही अध्ययन किया गया है।

प्रयुक्त उपकरण

1. व्यक्तिगत मूल्य प्रश्नावली– डा. श्रीमती जी.पी.सैरी एंव डा. आर.पी. वर्मा।

शोध अध्ययन की जनसंख्या एंव न्यादर्श

शोधार्थी ने उत्तरप्रदेश के आगरा मण्डल के विभिन्न अभिकरणों द्वारा संचालित माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों को न्यादर्श के रूप में चुना। इनका चयन यादृच्छिक न्यादर्श चयन विधि द्वारा किया गया। आगरा मण्डल के माध्यमिक विद्यालयके शिक्षकों की कुल जनसंख्या में से 900 को न्यादर्श के रूप में चुना।

संख्यिकीय तकनीकी

प्रस्तुत शोध अध्ययन में मध्यमान, मानकविचलन एंव टी परीक्षण जैसी सांख्यिकीय, तकनीकी विधियों का प्रयोग किया गया है।

ऑकडों का विश्लेषण एंव व्याख्या

तालिका संख्या–01

राजकीय एंव निजी माध्यमिक विद्यालयी शिक्षकों के मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन

स्तम्भ संख्या	1	2	3	4	5	6
क्रम सं.	वर्ग	पद संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी. मान	डी.एफ
1.	राजकीय	300	57.03	11.34	3.88	598
2.	निजी	300	53.78	9.04		

डी.एफ 598 के लिऐ त्रुटि 0.05 स्तर पर टी का मान 1.96 एंव त्रुटि के 0.01 स्तर पर 2.58 है। तलिका संख्या 01 की स्तम्भ संख्या 05 से स्पष्ट है कि टी गणना से प्राप्त मान 3.88 है , जो कि त्रुटि के 0.05 एंव 01 स्तर पर टी सारणी के अपेक्षित मान से अधिक है। अतः परिकल्पना को अस्वीकृत किया जाता है। निष्कर्षतः विद्यालयी अभिकरण शिक्षकों में मूल्यों को प्रभावित करते हैं।

तालिका संख्या–02

स्तम्भ संख्या	1	2	3	4	5	6
क्रम सं.	वर्ग	पद संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी.मान	डी.एफ
1.	राजकीय	300	57.03	11.34	25.74	598
2.	निजी	300	83.29	13.55		

डी.एफ 598 के लिऐ त्रुटि के 0.05 स्तर पर टी का मान 1.96 एंव त्रुटि 0.01 स्तर पर 2.58 है। सारणी संख्या 02 की स्तम्भ संख्या 05 से स्पष्ट है कि टी गणना से प्राप्त मान 25.74 है, जो कि त्रुटि के 0.05 एंव 0.01 स्तर पर टी सारणी के अपेक्षित मान से अधिक है। अतः परिकल्पना को अस्वीकृत किया जाता है। निष्कर्षतः विभिन्न विद्यालयी अभिकरण माध्यमिक विद्यालयी शिक्षकों के मूल्यों को प्रभावित करते हैं।

तालिका संख्या–03

स्तम्भ संख्या	1	2	3	4	5	6
क्रम सं.	वर्ग	पद संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी.मान	डी.एफ
1.	राजकीय	300	83.29	13.55	31.36	598
2.	निजी	300	53.78	9.04		

डी.एफ 598 के लिऐ त्रुटि के 0.05 स्तर पर टी का मान 1.96 एंव त्रुटि के 0.01 स्तर पर 2.58 है। सारणी संख्या 03 की स्तम्भ संख्या 5 से स्पष्ट है कि टी गणना से प्राप्त मान 31.36 है जो त्रुटि के 0.05 एंव 0.01 स्तर पर टी सारणी के अपेक्षित मान से अधिक है। अतः परिकल्पना को अस्वीकृत किया जाता है। निष्कर्षतः विभिन्न विद्यालयी अभिकरण माध्यमिक विद्यालयी शिक्षकों के मूल्यों के स्तर को प्रभावित करते हैं।

शोध अध्ययन से प्राप्त मुख्य निष्कर्ष

मूल्यों के संदर्भ में प्राप्त निष्कर्षो से पता चलता है कि विभिन्न अभिकरण जैसे राजकीय, निजी तथा अनुदानित माध्यमिक विद्यालयमें कार्यरत शिक्षकाके मूल्यों के स्तर को लैंगिक भिन्नता, सामाजिक परिवेश तथा अनुभव जैसे कारक प्रभावित करते हैं।

संदर्भ सूची

एल्हैल्स. डी.एन– फन्डामैण्टल्स ऑफ रिसर्च स्टैटिक्स ;1958 पृष्ट संख्या–65.

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या निर्माण;एन.सी.एफ.टी.ई 2005 एंव 2009.

राष्ट्रीय शिक्षा नीति– उदयोनमुख भारतीय समाज में शिक्षा के नये आयाम– राम गोपाल सोनी पृष्ट संख्या–127.

एनसाईक्लोपीडिया ऑफ सोशल साईंसेज– कोटेड वाई वी.पी–ग्रामीण शास्त्र 2000 पृष्ट संख्या–51.

श्रीवास्तव के.एन– व्हाइट रूरल इण्डिया 1996 पृष्ट संख्या–86.

गुड वार एंव स्केट्स मैथडोलोजी ऑफ एजूकेशन रिसर्च न्यूयार्क पृष्ट संख्या–104–105.

रेजलर. एचेन्स जी;1960 पर्सनल वैल्यूज एण्ड एचीवमैण्ट इन कॉलेज स्टूडैन्टस गाईडैन्स जनरल वोल्यूम नम्बर–2 अक्टूबर 1960 पृष्ट संख्या 137–147.

फ्लैर– भौतिक मूल्यों के निर्णयों पर ग्रामीण एंव शहरी छात्रों का तुलनात्मक अध्ययन।

रूहिला एस.पी. 1968 ट्रेडीस्नल वैल्यूज ऑफ दी इण्डियन सोसाईटी एण्ड कॉलेज स्टूडैण्टस– एजूकेशनल रिव्यू वोल्यूम संख्या– 11,1972.

शर्मा जयश्री 1996 एटीट्यूड ऑफ टीचर एण्ड पेरन्टस टूवार्डस मोरल एजूकेशन राजस्थान वि.वि. 1986.

एण्ड्रैस हाई स्कूल के अध्यापकों एंव प्रधानाध्यापकों के मूल्यों का अध्ययन।